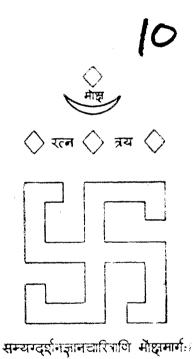
समण सु तां

(श्रमणसूत्रम्)



24. c.c

सर्व-सेवा-संघ-प्रकाशन राजघाट, वाराणसी